विद्या भारती संकुल संवाद

सा विद्या या विमुक्तये

मई - सितम्बर 2024 | बैशाख -भाद्रपद। विक्रमी सं. 2081

अखिल भारतीय साधारण सभा की बैठक

देश के 682 जिलों में संचालित हो रहे विद्या भारती के विद्यालय

33,25,513 विद्यार्थियों को दी जा रही संस्कारयुक्त एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक

www.vidyabharti.net | www.vidyabharatisamvad.com

अखिल भारतीय साधारण सभा की बैठक

मंदसौर। विद्या भारती की अखिल भारतीय साधारण सभा की तीन दिवसीय (8-10 जून 2024) बैठक का आयोजन संजीत मार्ग स्थित सरस्वती विहार परिसर में किया गया। विद्या भारती के महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने वर्ष 2023-24 की प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में 114 नए जिलों में विद्या भारती का कार्य प्रारंभ होकर 682 जिले कार्ययुक्त हो गए हैं। वर्तमान में 12,098 औपचारिक विद्यालय व 8,465 अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों अर्थात् कुल 20,563 विद्यालयों के माध्यम से 33 लाख 25 हजार 513 विद्यार्थियों को संस्कारयुक्त एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। इस अवसर पर संस्कृति ज्ञान परीक्षा के पाठ्यक्रम पर आधारित कक्षा तृतीय से द्वादश तक संस्कृति बोधमाला पुस्तकों का विमोचन किया गया। बैठक में शुद्धाद्वैत पुष्टिमार्ग के गोस्वामी श्री दिव्येश कुमार महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल व सभी प्रांतों से आए 300 से अधिक पदाधिकारियों ने भाग लिया।

कार्य वृत्त 2023-24

- कुल जिले 776, कार्ययुक्त जिले 682
- औपचारिक विद्यालय 12098, एकल शिक्षा केन्द्र 3985, संस्कार केंद्र 4480, कुल शिक्षण केंद्र 20563
- महाविद्यालय 54, विश्वविद्यालय 1
- औपचारिक विद्यालयों में छात्र संख्या 31,25,969
- अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों में छात्र संख्या 1,99,544
- कुल छात्र संख्या 33,25,513
- 2022-23 की अपेक्षा 2023-24 में 466 शिक्षण केंद्र बढ़े। कुल 26408 छात्र संख्या में वृद्धि हुई।

वैचारिक लेख

पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर महिलाओं के कर्तृत्व की क्षमता की प्रतीक हैं - पूजनीय सरसंघचालक जी

पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी का यह वर्ष है। हमारे लिए आज की स्थिति में भी उनका चरित्र आदर्श के समान है। दुर्भाग्य से उनको वैधव्य प्राप्त हुआ। लेकिन एक अकेली महिला होने के बाद भी अपने बड़े राज्य को केवल सम्भालना नहीं, बड़ा करना और केवल राज्य को बड़ा नहीं करना, तो उसको सुराज्य के नाते उसका कार्यवहन करना। राज्यकर्ता कैसा हो वह इसका आदर्श हैं। उनके नाम के पीछे पुण्यश्लोक यह शब्द है। पुण्यश्लोक उस राज्यकर्ता को कहते हैं जो राज्यकर्ता अपनी प्रजा को सब प्रकार के अभावों से मुक्त करता है, दुःख से मुक्त करता है। एक तरह से प्रजा के प्रति अपने कर्तव्य से उऋण हो जाता है।

वास्तव में उस काल में हमारे यहां पर जो आदर्श राज्यकर्ता हुए उनमें से एक देवी अहिल्याबाई थीं। अपनी प्रजा को रोजगार मिले इसलिए उन्होंने उद्योगों का निर्माण किया और ऐसा पक्का निर्माण किया कि महेश्वर का वस्त्र उद्योग आज भी चलता है और बहुत लोगों को रोजगार देता है।

प्रजा के सभी अंगों की, जो दुर्बल थे, पिछड़े थे उन्होंने उनकी भी चिंता की। अपने राज्य की कर व्यवस्था को उन्होंने सुसंय कर दिया। किसानों की चिंता की। सब प्रकार से उनका राज्य सुराज्य था। प्रजा की माता के जैसे चिंता करने वाली राज्यकर्ता, इस नाते उनको देवी अहिल्याबाई यह विधा उसी समय प्राप्त हुआ होगा क्योंकि अपने बचपन से हम उनका नाम सुनते हैं तो केवल अहिल्याबाई होलकर ऐसा नहीं सुनते, देवी अहिल्याबाई होलकर ऐसा सुनते हैं। तो ऐसी पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर महिलाओं के कर्तृत्व की क्षमता की प्रतीक हैं।

मातृशक्ति के सशक्तिकरण की बात आज हम करते हैं, लेकिन मातृशक्ति कितनी सशक्त है और क्या- क्या कर सकती है, कैसे कर सकती है? इसका अनुकरण करने लायक आदर्श देवी अहिल्याबाई ने अपने जीवन से हम सब लोगों के सामने रखा है।

उन्होंने जो काम किया वो अनेक प्रकार से विशेष है। राज्य को उन्होंने कुशलतापूर्वक चलाया। उस समय सभी राज्यकर्ताओं से उनके संबंध मित्रता के थे, इतना ही नहीं तो आसपास के सभी राज्यकर्ता भी उनको देवी स्वरूपा मानते थे। इतनी श्रद्धा और आदर उनके बारे में समकालीन राज्यकर्ताओं में था। राज्य पर कोई आक्रमण न हो, इसलिए समरनीति की जानकार के रूप में भी उनको जाना जाता है। बड़ी सेना लेकर राघोबा दादा आए थे, लेकिन उन्होंने अपनी नीति से और बिना संघर्ष के उस आपत्ति का निवारण कर दिया। ऐसी कुशल प्रशासक, उत्तम राज्यकर्ता, सामरिक और राजनयिक कर्तव्यों में माहिर राज्यकर्ता थीं, और केवल अपने राज्य की उन्होंने चिंता नहीं की पूरे देश की चिंता की।

अपने देश की संस्कृति का जो आधार है, उसको पुष्ट करने के लिए देश में अनेक स्थानों पर उन्होंने मंदिर बनवाए। स्वयं राज्य करती थीं, तो भी अपने को राजा नहीं मानती थीं। "श्री शंकर कृपे करूण" ऐसा लिखती थीं। श्री शंकर आज्ञेकरूण - शिव भगवान की आज्ञा से राज्य चला रहीं हैं, ऐसा उनका भाव था। उन्होंने कई जगह मंदिर बनवाए, नदियों पर घाट बनवाए, धर्मशालाएं बनवाई। उन्होंने सारे भारत में यह कार्य किया। जो धर्मयात्राओं के मार्ग थे और व्यापारिक आने जाने के मार्ग थे, उन पर यह सारे काम किए ताकि पूर्ववत भारत की सारी जनता का आना जाना अपने सांस्कृतिक स्थलों में और अपनी आजीविका के लिए सर्वत्र चलता रहे। एकात्मता बनती रहे, बढ़ती रहे। इतना दूर का विचार करके उन्होंने यह काम किया और विशेष है कि अपनी धर्म श्रद्धा के कारण किया। इसलिए उन्होंने यह सारा काम अपनी निजी संपत्ति में से किया।

स्वयं रानी होकर बहुत सादगी से रहती थीं। इस प्रकार प्रजा का पालन, राज्य का संचालन, राज्य की सुरक्षा, देश की एकात्मता-अखंडता, सामाजिक समरसता, सुशीलता और सादगी, इनका आदर्श रखने वाली एक महिला राज्यकर्ता, आदर्श महिला इस प्रकार पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई का चित्र हमारे सामने है। आज की हमारी स्थिति में भी हमारे लिए वो एक आदर्श है, उनका अनुकरण करने के लिए वर्ष भर उनका स्मरण करने का प्रयास सर्वत्र चलने वाला है, यह अतिशय आनंद की बात है।

शैक्षिक प्रयोग

शारदा बालिका निकेतन उ. मा. विद्यालय नागौर संगीत शिक्षा की क्रियान्विति

संगीत को आध्यात्म का द्वार कहा गया है। ''संगीत'' शिक्षा के लिए किसी भी अन्य साधन की तुलना में शक्तिशाली साधन हैं क्योंकि लय और सामंजस्य आत्मा में अपना रास्ता खोज लेते हैं।"

विद्या भारती के पाँच आधारभूत विषयों में से एक संगीत विषय भी है। बालक के पञ्चकोषीय विकास में मनोमय कोश का विकास संगीत से होता है। संगीत श्वास-प्रश्वास को साधता है, जिससे प्राणमय कोश का भी विकास होता है।

संगीत बच्चों में कलात्मक जागरुकता, आत्म अभिव्यक्ति, आत्म विश्वास तथा विभिन्न संस्कृतियों का सहजता से विकास करता है।

संगीत की दैनिक क्रियान्विति → शारदा बालिका निकेतन उ.मा. नागौर में संगीत विद्यालय पाठ्यक्रम का अभिन्न तथा आवश्यक अंग है। प्रातः काल वन्दना सभा में वाद्ययन्त्रों के साथ स्वरताल में लयबद्ध होकर एक स्वर में छात्राओं द्वारा वन्दना तथा गीतों की प्रस्तुति होती है। कक्षा तीसरी से आठवीं तक छात्राओं के लिए नियमित संगीत के कालांश की व्यवस्था है, जिसमें स्वरलिपि, शास्त्रीय संगीत के आरोह-अवरोह, दैनिक वंदना का पाठ्यक्रम और एकल व सामूहिक गीतों का अभ्यास होता है।

विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन →

1) प्रान्त स्तरीय बौद्धिक प्रतियोगिताओं (सामूहिक गान, वन्दना, वन्देमातरम् एकल गीत आदि) में विद्यालय की छात्राएँ उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त करती हैं।

2) भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित संगीत विषयक प्रतियोगिताओं में छात्राएँ जिले से प्रान्त स्तर तक सफलता प्राप्त करती हैं।

3) स्वदेशी सप्ताह के अन्तर्गत कक्षाशः स्वदेश भाव से ओत-प्रोत गीतों की प्रतियोगिता का आयोजन प्रति वर्ष किया जाता है। इस वर्ष समाज के सम्मानित भामाशाहों के द्वारा विजेता कक्षाओं की प्रत्येक छात्रा को मेडल पहनाकर पुरस्कृत किया गया।

4) शनिवारीय कार्यक्रम के अन्तर्गत संगीत आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है, जिनमें प्रत्येक कक्षा से बहिनों की भागीदारी रहती है।

उपलब्धियाँ → राष्ट्रीय पर्वों (गणतंत्र दिवस, स्वतन्त्रता दिवस) पर आयोजित राजकीय कार्यक्रमों में विद्यालय की छात्राओं का प्रतिवर्ष श्रेष्ठ प्रदर्शन रहता है।

विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में संगीत विषयक सहभागिता छात्राओं की रहती हैं।

→भारत माता पूजन कार्यक्रम में राग काफी पर 11 भैया-बहिनों ने, वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में 31 छात्रों ने राग भैरवी पर, नवोन्मेष कार्यक्रम में 51 भैया-बहिनों ने शास्त्रीय राग वृन्दावनी सारंग, अभिभावक सम्मेलन में 21 बहिनों ने राग भूपाली पर एक साथ गायन - वादन कर मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्ततियाँ दीं।

→ विद्यालय की वंदना से लेकर संगीत गायन, वादन, नृत्य, की प्रत्येक प्रस्तुति में छात्राओं की ही सहभागिता रहती है। विभिन्न उत्सव, कार्यक्रमों होली, बसन्त पंचमी, वार्षिक उत्सव, अभिभावक सम्मेलन, किशोरी संस्कार शिविर आदि में छात्राओं द्वारा ही संचालन वाद्य यंत्रों का प्रयोग, गायन, नृत्य आदि प्रस्तति की जाती है।

संगीत शिक्षा के कारण प्राप्त उपलब्धियाँ -

- 20 प्रतिशत छात्राएं संगीत विषय से जुड़ी हुई हैं।
- सत्र-2023-24 में 150 बहिनों को वाद्य सीखने का अवसर मिला।
- आगामी सत्र में विद्यालय में संगीत कक्ष की व्यवस्था की जाएगी।
- विद्यालय में संगीताचार्य की नियुक्ति है।
- 5 % बहिनों की संगीत के प्रति रूझान व रुचि है।
- 40 % बहिनों के शिक्षण पर संगीत के कारण अच्छा प्रभाव पड़ा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक

पलक्कड़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक केरल के पलक्कड़ में (31 अगस्त से 2 सितंबर) सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले जी, संघ के सभी छह सहसरकार्यवाह और अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारी मौजूद रहे। राष्ट्र सेविका समिति प्रमुख संचालिका शांतक्का जी, प्रमुख कार्यवाहिका सीता अन्नदानम जी, वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष श्री सत्येन्द्र सिंह, पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) वी.के. चतुर्वेदी, ग्राहक पंचायत के अध्यक्ष श्री नारायण भाई शाह, विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष श्री आलोक कुमार, महासचिव श्री बजरंग बागरा, विद्यार्थी परिषद के संगठन मंत्री श्री आशीष चौहान, भाजपा अध्यक्ष श्री जे. पी. नड्डा, भाजपा के संगठन मंत्री श्री बीएल संतोष, विद्या भारती के अध्यक्ष श्री रामकृष्ण राव, भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष श्री हिरण्मय पंड्या, आरोग्य भारती के अध्यक्ष डॉ. राकेश पंडित सहित 32 संघ प्रेरित संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, संगठन मंत्री एवं राष्ट्रीय स्तर के नेता उपस्थित रहे। वायनाड में भूस्खलन के बाद स्वयंसेवकों द्वारा किए गए राहत एवं सेवा कार्यों की जानकारी भी दी गई।

अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक-शिमला

भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुकूल हो भारत की शिक्षा :- डॉ कृष्ण गोपाल

शिमला - 20 सितंबर 2024 | भारतीय संगीत, योग, वेद उपनिषद , रामायण, रामचरितमानस आदि ग्रंथों से हमारी ज्ञान परम्परा समृद्ध है जो हमारी मानवता की आधारशीला है यहीं से व्यक्ति का सामाजिक निर्माण होता हैं। श्रेठ समाज के निर्माण में शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। उक्त बातें बैठक का शुभारम्भ करते हुए डॉ कृष्ण गोपाल सह सरकार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कही। श्री डी. रामकृष्ण राव अध्यक्ष विद्या भारती व श्री गोबिन्द चंद्र मंहत संगठन मंत्री विद्या भारती उपस्थित रहे। विद्या भारती अखिल भारतीय महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने बैठक में उपस्थित अधिकारीयों गणमान्य अतिथियों का परिचय करवाया। अखिल भारतीय बैठक हिमाचल प्रदेश में 22 वर्षो के पश्चात् आयोजित की गई। विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के महामंत्री श्री देशराज शर्मा ने पुण्य भूमि हिमाचल प्रदेश की भूमिका पर प्रकाश डाला।

बैठक में विद्या भारती द्वारा प्रकाशित दो पुस्तकों "अभिनव पंचपदी अधिगम पद्दति" तथा " लोक माता देवी अहिल्या" का विमोचन किया गया जिसका प्रकाशन विद्या भारती ने किया है।

श्री गोबिन्द चंद्र मंहत ने कहा कि कार्यकारिणी की बैठक देव भूमि शिमला में कठिन क्षेत्र मानकर रखी गई है। यहां हम सभी गुणवता के लिए विभिन्न 29 विषयों पर विचार करेंगे।

आगे जारी ...

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान कुरुक्षेत्र द्वारा साहित्य, स्थानीय विद्यालय के छात्रों द्वारा "हिमाचल एक झलक" विषय पर, औषधीय पौधों (Herbal Garden) की प्रदर्शनी तथा विद्या भारती द्वारा कौशल को विकसित करने के लिए चलाये जा रहे जन शिक्षण संस्थान शिमला द्वारा भी स्वनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। जन शिक्षण संस्थान शिमला के निदेशक सुश्री मंजुला अत्री ने संस्थान व् प्रदर्शनी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री विजय नड्डा, सह संगठन मंत्री श्री बाल कृष्ण व् महामंत्री श्री देशराज मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में सम्पूर्ण भारत से लगभग 200 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

विद्या भारती के प्रथम "स्कूल ऑन व्हील्स" का शुभारम्भ

गुवाहाटी। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की योजना से शिक्षा की जागरूकता एवं प्रसार की दृष्टि से गुवाहाटी में "स्कूल ऑन व्हील्स" का शुभारम्भ किया गया। बाल विद्या मंदिर पैलेस कंपाउंड, इम्फाल में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके, विशिष्ट अतिथि मणिपुर सरकार के मुख्य सचिव श्री विनीत जोशी, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, शिक्षा विकास समिति मणिपुर के अध्यक्ष वाई. खगेन सिंह उपस्थित रहे। मणिपुर राज्यपाल उइके द्वारा "स्कूल ऑन व्हील्स" का विधिवत शुभारम्भ किया गया। साथ ही उन्होंने विद्या भारती द्वारा किये गए इस प्रयास की सराहना की। "स्कूल ऑन व्हील्स" का उदेश्य है कि बच्चे शिक्षा से वंचित न रहें। मणिपुर में हुई हिंसा से विस्थापित बच्चों को "स्कूल ऑन व्हील्स" के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जाएगी।

इसके माध्यम से डिजिटल शिक्षा और औपचारिक शिक्षा प्रदान करने के साथ छात्रों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण भी किया जायेगा।

अखिल भारतीय मंत्री समूह कार्यशाला

परम्परा के अनुकूल हो भारतीय शिक्षा: डी रामकृष्ण राव

अयोध्या। अखिल भारतीय मंत्री समूह कार्यशाला को संबोधित करते हुए विद्या भारती के अध्यक्ष श्री डी. रामकृष्ण राव ने कहा कि भारतीय शिक्षा परम्परा के अनुकूल होनी चाहिए। मूल्य आधारित शिक्षा से ही श्रेष्ठ समाज का निर्माण संभव है। जीवन निर्माण करने वाली शिक्षा ही आने वाली पीढ़ियों को भारतीय इतिहास, ज्ञान और भारत बोध कराने में सहायक होगी। शिक्षा एक महामंत्र है जिससे समाज के विकास की गति और प्रगति सुनिश्चित की जाती है। ऐसे में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूरे शिक्षा क्षेत्र में परिवर्तन के लिए अग्रसर है। कार्यशाला में अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चंद्र मंहत, श्री यतीन्द्र शर्मा, महामंत्री श्री अवनीश भटनागर, श्री श्रीराम अरावकार और श्री हेमचन्द्र आदि उपस्थित रहे।

विद्या भारती दक्षिण मध्य क्षेत्र की साधारण सभा की बैठक

हैदराबाद। विद्या भारती दक्षिण मध्य क्षेत्र की साधारण सभा का आयोजन 24-25 अगस्त 2024 को हैदराबाद के बंदलागुड़ा स्थित शारदा धाम में किया गया। विद्या भारती की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य श्री काशीपति ने सुझाव दिया कि विद्यालयों का क्षेत्रीय स्तर पर भौगोलिक एवं सामाजिक विस्तार किया जाना चाहिए। बैठक में विद्या भारती क्षेत्र गवर्निंग काउंसिल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के अधिकारी आदि उपस्थित थे। दक्षिण मध्य के क्षेत्र संगठन मंत्री श्री लिंगम सुधाकर रेड्डी ने मार्गदर्शन किया।

डॉ. जयकांत शर्मा को असम प्रकाशन भारती साहित्य पुरस्कार

असम| असम प्रकाशन भारती साहित्य और सामाजिक जीवन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को असम प्रकाशन भारती पुरस्कार से सम्मानित करती रही है। इस वर्ष यह पुरस्कार डॉ. जयकांत शर्मा को प्रदान किया गया है। पुरस्कार के रूप में 25,000 रुपये, प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इसके साथ ही असम प्रकाशन भारती द्वारा प्रकाशित 15 पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

स्वदेशी सप्ताह

जम्मू और कश्मीर| स्वदेशी सप्ताह के अंतर्गत भारतीय विद्या मंदिर हाई स्कूल भद्रवाह में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के उपलक्ष्य में स्वदेशी सप्ताह की शुरुआत की गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्वदेशी चीजों के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल में स्वदेशी स्टॉल भी लगाया गया जिसमें विद्यार्थियों ने स्वदेशी वस्तुओं का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वदेशी की भावना जागृत करना था।

विद्याभारती प्रचार विभाग की अखिल भारतीय टोली बैठक

दिल्ली| विद्याभारती प्रचार विभाग की अखिल भारतीय टोली बैठक, प्रज्ञासदन नई दिल्ली में 8 सितम्बर 2024 को आयोजित हुई। बैठक में विद्या भारती प्रचार विभाग की कार्ययोजना पर विचार किया गया। विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री श्री अवनीश भटनागर- दिल्ली, दक्षिण मध्य क्षेत्र के संगठन मंत्री एवं प्रचार प्रभारी श्री सुधाकर रेड्डी- हैदराबाद, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख डॉ रामकुमार भावसार- भोपाल, श्री विजय मारू- दिल्ली, श्री रविकुमार- जोधपुर, डॉ. नरेंद्र मिश्रा- मेरठ, डॉ. सौरभ मालवीय - लखनऊ, श्री नीरज शर्मा-

मेरठ, श्री संजय चौधरी - कुरुक्षेत्र, श्री अक्षी अग्रवाल - मेरठ, श्री आलोक तिवारी - रांची सम्मिलित हुए।

पूर्व छात्रों का प्रथम मिलन

चित्तौड़। केंद्रीय विश्वविद्यालय अजमेर में 26 सितम्बर 2024 को विद्या भारती के पूर्व छात्रों का प्रथम मिलन विद्या भारती राजस्थान के सह संगठन मंत्री श्री गोविंद कुमार के सान्निध्य में आयोजित किया गया। उन्होंने विद्या भारती विद्यालयों में प्राप्त हुए भारत भक्ति के गीतों और भावों का पुन:स्मरण करवाते हुए नागरिक कर्तव्यों और पर्यावरण के प्रति सजग रहकर कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने अपने अध्ययन को विशेष योग्यता के साथ करने और विश्विद्यालय में भी अपने गुरुजनों का सम्मान करने की बात कही।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर मार्च पास्ट और घोष थरंग

आंध्र प्रदेश। भारतीय विद्या केंद्रम, आंध्र प्रदेश ने 78वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर घोष छात्रों के मार्च पास्ट के साथ घोष थरंग का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 30 विद्यालयों के 600 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इससे पहले विशाखापत्तनम में घोष छात्रों के लिए दो दिवसीय घोष शिविर का आयोजन किया गया था। घोष वादकों को संबंधित विद्यालयों में तीन महीने तक वेणुवु, आनक, शंख और अन्य वाद्य यंत्रों का प्रशिक्षण दिया गया था और सभी विद्यालयों को घोष सामग्री उपलब्ध कराई गई थी।

संस्कृति बोध परियोजना राष्ट्रीय कार्यशाला

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में 28 से 30 जुलाई 2024 तक संस्कृति बोध परियोजना राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती के महामंत्री श्री अवनीश भटनागर, संस्कृति शिक्षा संस्थान के सचिव श्री वासुदेव प्रजापति, संस्कृति बोध परियोजना के विषय संयोजक श्री दुर्ग सिंह राजपुरोहित आदि मौजूद रहे। संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह ने बताया कि कार्यशाला में देशभर में कक्षा 3 से 12 तक एवं अध्यापकों के लिए आयोजित होने वाली संस्कृति ज्ञान परीक्षा हेतु प्रश्नपत्रों का निर्माण किया गया। इसके साथ ही अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित होने वाले संस्कृति महोत्सव के लिए प्रश्न मंच का निर्माण किया गया। यह प्रतियोगिता शिशु वर्ग, बाल वर्ग, किशोर वर्ग और तरुण वर्ग में आयोजित की जाती है।

विद्या भारती दक्षिण असम का भारत-बांग्लादेश सीमा दर्शन

विद्या भारती दक्षिण असम के एक प्रतिनिधिमंडल ने भारत और बांग्लादेश की सीमा पर स्थित कुछ गांवों के लोगों से मुलाकात की। विद्या भारती दक्षिण असम प्रांत के संगठन मंत्री महेश भागवत और प्रांत निरीक्षक पिंकू मालाकार के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल सबसे पहले भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित नतानपुर बीएसएफ कैंप पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने कैंप में बीएसएफ के मेजर और अन्य अधिकारियों से विचार विनिमय किया।

निःशुल्क कोचिंग संस्थान 'समुत्कर्ष' का शुभारंभ

भोपाल। विद्या भारती मध्य भारत प्रान्त भोपाल के हर्षवर्धन नगर स्थित "प्रज्ञादीप" में भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा स्व. अर्चना शुक्ला की स्मृति में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क कोचिंग संस्थान 'समुत्कर्ष' का शुभारंभ किया गया। संस्थान का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिये गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करना और उनकी प्रतिभा को विकसित करना है।

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की संगोष्ठी

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, उत्तराखंड ने आईटीएम कॉलेज देहरादून में प्रोफेसर्स की संगोष्ठी का आयोजन किया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री के. एन. रघुनंदन ने मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर विद्या भारती उत्तराखंड के प्रांत संगठन मंत्री श्री भुवन आदि उपस्थित रहे।

गुरुजनों ने सीखे गणित व विज्ञान पढ़ाने के रोचक गुर

नैनीताल। गणित व विज्ञान विषय को कैसे रोचक तरीके से पढ़ाया जा सकता है, इसको लेकर जनपदस्तरीय कार्यशाला का आयोजन गोस्वामी सरस्वती विद्या मन्दिर कालाढूंगी में किया गया। कार्यशाला में 17 स्कूलों के गुरुजनों ने प्रतिभाग किया। सरस्वती विद्या मन्दिर छोई के प्रधानाचार्य कृपाल दत्त जोशी ने शिक्षा के विभिन पहलुओं पर उद्बोधन दिया।

विद्या भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र प्रसाद खेतान का अमेरिका में इंटरव्यू

विद्या भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र प्रसाद खेतान का अमेरिका में इंटरव्यू लिया गया।
दो सप्ताह के अपने अमेरिका प्रवास में उन्होंने विभिन्न शहरो में आयोजित कार्यक्रमों में विद्या भारती का परिचय दिया।
यूट्यूब लिंक-
https://youtu.be/qk6d-pwzL70?si=doraLxKDmgmfiKTM

विद्या भारती मानक परिषद बैठक

भोपाल| विद्या भारती मानक परिषद् की बैठक का आयोजन 30 जुलाई से 2 अगस्त 2024 तक भोपाल मे किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर लाई गई है। इससे शिक्षा क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन होगा। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हुए व्यक्ति निर्माण की गतिविधियों को बढ़ावा देना होगा। इसलिए हम सभी को सतत नए विषयों को सीखते हुए समाज का मास्टर ट्रेनर बनना है। बैठक में विद्या भारती के संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चंद्र मंहत, क्षेत्र अध्यक्ष श्री विवेक शेंडये एवं शांतिलाल मुथा फाउंडेशन की सुश्री मीनल दशपुत्रे आदि उपस्थित रहे।

केंद्रीय विषयों प्रशिक्षण, मानक परिषद्, विद्वत परिषद्, तथा शोध से संबंधित अखिल भारतीय बैठक

दिल्ली| विद्या भारती विद्यालय महाशय चुन्नीलाल सरस्वती बाल मंदिर, हरि नगर, नई दिल्ली में 14-16 सितंबर, 2024 तक विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अंतर्गत चार केंद्रीय विषयों प्रशिक्षण, मानक परिषद्, विद्वत परिषद् और शोध से संबंधित अखिल भारतीय बैठक का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र का शुभारंभ अखिल भारतीय सह - संयोजक श्री राम मनोहर शर्मा ने मंचस्थ अधिकारीवृंद श्री डी. रामकृष्ण राव (अध्यक्ष, अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान), श्री गोबिन्द चंद्र मंहत (संगठन मंत्री, अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान) एवं श्री कुलवीर शर्मा (महामंत्री, समर्थ शिक्षा समिति) का परिचय एवं स्वागत कराया।
श्री गोबिन्द चंद्र मंहत (संगठन मंत्री,अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान) ने प्रस्ताविकी के रूप में विचार-संप्रेषण किया। इस उद्घाटन सत्र में श्री डी. रामकृष्ण राव का उद्बोधन सभागार में उपस्थित समस्त विद्वतजनों को प्राप्त हुआ।

लद्दाख में सेना एवं बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन

लद्दाख | लद्दाख में सेना एवं लेह के बच्चों के साथ रक्षाबंधन मनाया गया। इस दौरान विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चंद्र मंहत का प्रवास रहा।

दक्षिण असम का आचार्य विकास वर्ग

असम| विद्या भारती दक्षिण असम प्रांत का तीन दिवसीय आचार्य विकास वर्ग 27 से 29 जुलाई 2024 तक उधारबंद के कचाकांति विद्या मंदिर में संपन्न हुआ। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यकारिणी समिति के सदस्य श्री योगेन्द्र सिंह शिशोदिया, शिक्षा विकास परिषद् दक्षिण असम के अध्यक्ष डॉ. निखिल भूषण डे, सचिव श्री निहारेंदु धर, संगठन मंत्री श्री महेश भागवत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दक्षिण असम के कार्यकारी सदस्य और काचाकांति विद्या मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री क्षौणिश चंद्र चक्रवर्ती, काचाकांति विद्या मंदिर की प्राचार्या शिखा कुंडू आदि मौजूद रहे। वर्ग में काछार, करीमगंज, हैलाकांडी और दिमाहासाओ जिले सहित लामडिंग के विद्या भारती विद्यालयों में कार्यरत 110 आचार्यों ने भाग लिया।

सीबीएसई प्राचार्य, सचिव एवं प्रबंधक कार्यशाला

केरल | सीबीएसई प्राचार्य, सचिव एवं प्रबंधकों की दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सरस्वती विद्या निकेतन, एलमक्कारा, कोच्चि में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन कलाड़ी संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एमसी दिलीप कुमार ने किया।

ओंकार विद्यालय को "श्रद्धेय दत्ताजी डिंडोळकर शिक्षा पुरस्कार"

नागपुर। शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए ओंकार विद्यालय को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने 'श्रद्धेय दत्ताजी डिंडोळकर शिक्षा पुरस्कार' से सम्मानित किया। पुरस्कारस्वरूप में एक लाख रुपये और स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इस अवसर पर जन्मशताब्दी समारोह समिति के अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी भी उपस्थित रहे।

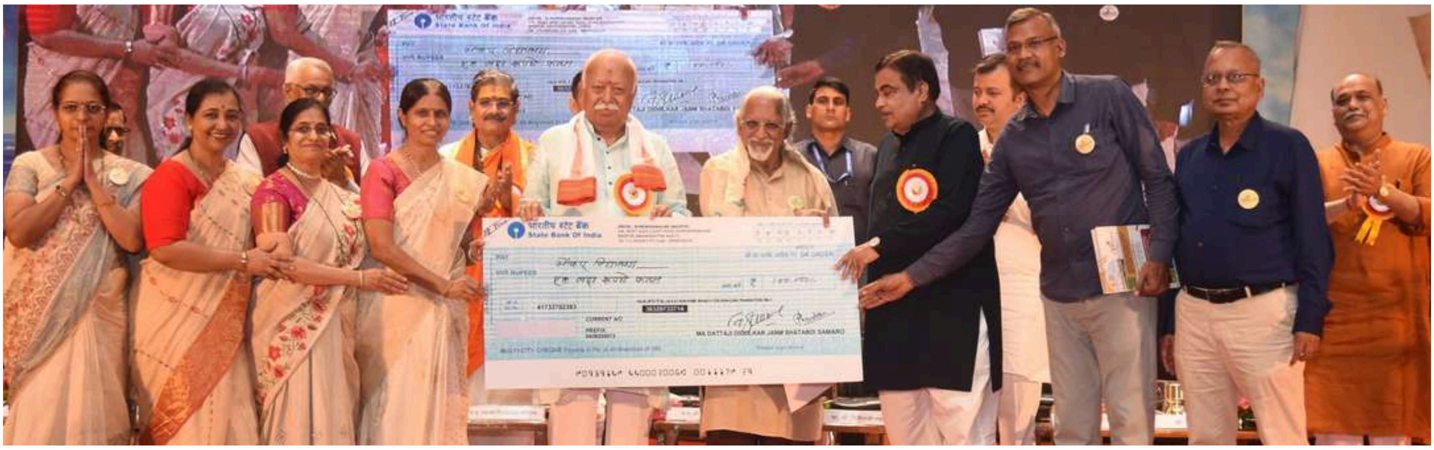

अखिल भारतीय छात्र और आचार्य निबंध प्रतियोगिता

अखिल भारतीय आचार्य निबंध प्रतियोगिता में प्रतिमा सिंह को मिला प्रथम पुरस्कार : डॉ. रामेन्द्र सिंह

"विश्व पटल पर भारत का बढ़ता प्रभाव" विषय पर आयोजित हुई प्रतियोगिता

आचार्य निबंध प्रतियोगिता के विजेता - प्रतिमा सिंह, मुकेश कुमार गुर्जर, भारती सिन्हा, पूजा कश्यप, निशी शर्मा, अमित कुमार सिंह, मनमोहन लाल मिश्र, अंजली शर्मा, किरण देवी, अमन कुमार सिंह, श्रीमती वर्षा नोतानी।

कुरुक्षेत्र | विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित अखिल भारतीय छात्र निबन्ध प्रतियोगिता का परिणाम घोषित कर दिया गया है। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह ने सभी विजेता छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि इसमें विद्या भारती के देशभर के विद्यालयों के 19,87,463 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। इसके साथ ही अखिल भारतीय आचार्य निबन्ध प्रतियोगिता का परिणाम भी घोषित कर दिया गया है। 'विश्व पटल पर भारत का बढ़ता प्रभाव' विषय पर आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में देशभर के आचार्यों ने प्रतिभागिता की। सभी प्रदेशों से प्राप्त श्रेष्ठ 177 निबंधों में से 11 निबंधों को पुरस्कृत किया गया।

व्यवस्था बैठक

शिमला। अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक 20 से 22 सितम्बर 2024 के संदर्भ में सरस्वती विद्या मन्दिर हिम रश्मि परिसर शिमला में व्यवस्था बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चंद्र मंहत , अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्री श्रीराम अरावकर, विद्या भारती उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री श्री विजय नड्डा, महामंत्री श्री देशराज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

योग दिवस - कुछ झलकियां

"योग: कर्मसु कौशलम्"

विद्या भारती के विद्यालयों में योग को जीवन-शैली का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है।

नवीन आचार्य एवं शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग

ऊधमपुर(जम्मू-कश्मीर)। भारतीय शिक्षा समिति जम्मू कश्मीर ने 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन नवीन आचार्य एवं शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया।
कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद्मश्री रुमालो राम जी रहे। प्रशिक्षण वर्ग में प्रचार विभाग के साथ संचालन टोली के सहयोग से हस्तलिखित पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

मातृ सम्मेलन एवं कार्यशाला

26 सितम्बर 2024

शिल्प समिति शारदा शिशु तीर्थ, अरविंद नगर, जलपाईगुडी , उत्तर बंग, पूर्व क्षेत्र

नए भवनों का उद्घाटन

हैदराबाद| श्री विद्यारण्य आवासीय विद्यालय बंडलगुडा जागीर, हैदराबाद, श्रीसरस्वती विद्यापीठ (विद्या भारती तेलंगाना) के नए भवनों का उद्घाटन मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री श्री बंडी संजय कुमार, पीठासीन क्षेत्र संगठन मंत्री श्री लिंगम सुधाकर रेड्डी तथा अतिथि विधायक श्री प्रकाश गौड़, विधायक (MLA) की उपस्थिति में हुआ।

विद्या भारती के सभी विद्यालयों में मनाया गया "हिन्दी दिवस"

चिंतन बिंदु क्षेत्रीय क्रियान्वयन बैठक

मध्य प्रदेश | सरस्वती शिक्षा परिषद, जबलपुर, मध्य प्रदेश में 12 से 13 सितंबर 2024 को अखिल भारतीय चिंतन बैठक में कियान्वयन की क्षेत्रीय कार्य योजना बैठक का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में संगठन की आगामी योजनाओं और उनकी सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चंद्र मंहत, मध्य क्षेत्र संगठन मंत्री श्री भालचंद्र रावले, और मध्य क्षेत्र उपाध्यक्ष श्री जुड़ावन सिंह ठाकुर उपस्थित रहे। इन सभी ने संगठन की दिशा और योजनाओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए और सदस्यों को दिशा-निर्देश दिए।

बैठक का उद्देश्य संगठन की गतिविधियों को सशक्त करना और उसकी कार्यप्रणाली में सुधार लाना था, जिससे समाज के हर वर्ग तक इसके संदेश और कार्यों को प्रभावी रूप से पहुँचाया जा सके। बैठक में विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिनिधियों ने भी अपनी बात रखी और संगठन को और सशक्त बनाने के सुझाव दिए।

उपस्थित सदस्यों ने संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

विद्याभारती महाकौशल प्रांत जबलपुर में श्री गोबिन्द चंद्र मंहत, श्री शशिकांत फड़के, श्री विवेक शेंडे द्वारा अभिलेखागार पत्रिका का विमोचन किया गया।

पूर्व भारत मे विद्या भारती का प्रथम विद्यालय " सिलीगुडी" का स्वर्ण जयन्ती वर्ष

सिलीगुडी| पूर्व भारत मे विद्या भारती का प्रथम विद्यालय "सिलीगुडी" का स्वर्ण जयन्ती वर्ष 2024-25 उद्घाटन समारोह दिनांक 5-9 सितम्बर 2024 सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम अब वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम से आयोजन होने वाला है। सभी वरिष्ठ प्रचारक, पूर्व, वर्तमान संगठन मंत्री, पूर्व क्षेत्र, उत्तर बंग के उपस्थित रहे। सन 1975 , 5 सितम्बर को प्रथम विद्या भारती का विद्यालय सिलीगुडी मे प्रारम्भ हुआ था।

जयदेव पाठक जन सेवा न्यास की 17वीं राज्य स्तरीय व्याख्यान माला

वर्तमान और भविष्य में होने वाली खोजों के सूत्र समाहित है भारतीय ज्ञान परम्परा में : प्रो.भगवती प्रकाश शर्मा
(जयदेव पाठक जन सेवा न्यास की 17वीं राज्य स्तरीय व्याख्यान माला अजमेर में हुई संपन्न)

जन शिक्षण संस्थान शिमला के सिलाई केन्द्र हिम रश्मि परिसर विकासनगर, शिमला में अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चन्द्र महंत।

एटीएल प्रमुख के साथ वर्चुअल बैठक

विद्या भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चंद्र मंहत ने 2 जुलाई 2024 को क्षेत्र/प्रान्त के सभी अटल टिकरिंग लैब प्रमुखों के साथ वर्चुअल बैठक की।

संस्कृति ज्ञान परीक्षा के लिए प्रकाशित संस्कृति बोधमाला का बंग्ला अनुवाद

सिलिगुड़ी। विद्या भारती उत्तर बंग के प्रान्त कार्यालय शताब्दी सदन, सिलीगुडी में आयोजित कार्यक्रम में संस्कृति ज्ञान परीक्षा के लिए प्रकाशित संस्कृति बोधमाला के बंगला अनुवाद का विमोचन किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती उत्तर बंग प्रांत के अध्यक्ष, मंत्री एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान पत्रकार वार्ता

भारतीय मूल्यों व संस्कृति के अनुरूप शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है विद्या भारती

नई दिल्ली। विद्या भारती की ओर से कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित कार्यक्रम में अपने कार्यों व योजनाओं का ब्यौरा रखा गया और बताया गया कि भारतीय मूल्यों व संस्कृति के अनुरूप देश के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विद्या भारती प्रतिबद्ध है। विद्या भारती ने पेपर लीक को रोकने के लिए परीक्षाओं के मौजूदा पैटर्न में बदलाव का सुझाव दिया है। विद्या भारती के पूर्व छात्रों ने समाज के विभिन्न कार्य क्षेत्रों में अपनी सहभागिता से न सिर्फ विद्या भारती अपितु पूरे देश को गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर विद्या भारती के अध्यक्ष डी. रामकृष्ण राव जी व महामंत्री श्री अवनीश भटनागर मौजूद रहे।

श्री सरस्वती विद्या पीठम (विद्या भारती तेलंगाना) के तत्वावधान में हैदराबाद के शारदा धाम में कर्मचारीयों के प्रति गहरा सम्मान। विद्या भारती दक्षिण मध्य क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री लिंगम सुधाकर रेड्डी और अन्य बुजुर्गों द्वारा आतिथ्य सत्कार किया गया।

पूर्व छात्रों की बैठक

हैदराबाद | श्री सरस्वती विद्यापीठ हैदराबाद में 1997-98 बैच के छात्रों की बैठक का आयोजन किया गया। विद्या भारती दक्षिण मध्य क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री लिंगम सुधाकर रेड्डी ने पूर्व छात्रों का मार्गदर्शन किया। श्री विद्यारण्य अवासीय विद्यालय के अध्यक्ष श्री अर्जुन गौड़, सचिव श्री बोड्डू श्रीनिवास और प्राचार्य श्री मदारापु रामचंद्र राव मौजूद रहे।

35वीं क्षेत्रीय कबड्डी एवं खो-खो प्रतियोगिता

लोहारदग्गा | 35वीं क्षेत्रीय खो-खो एवं कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर, लोहरदग्गा में किया गया। इसमें लोक शिक्षा समिति उत्तर बिहार, भारती शिक्षा समिति दक्षिण बिहार एवं विद्या विकास समिति झारखंड से 432 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन हिंडाल्को के मैनेजर श्री नीरज कुमार ने किया।

सभी के लिए उपयोगी है संस्कृति बोधमाला पुस्तकें : उपमुख्यमंत्री

भोपाल। रविंद्र भवन में 12 जुलाई 2024 को आयोजित कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित "संस्कृति बोधमाला" की पुस्तकों का विमोचन किया। इन पुस्तकों का प्रकाशन विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र ने किया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृति बोधमाला पुस्तकों से विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित होंगे। ये पुस्तकें हमारी गौरवशाली संस्कृति, प्राचीन इतिहास, महापुरुषों और भारतीय सभ्यता का बोध कराएंगी। संस्कृति बोधमाला की पुस्तकें केवल छात्रों के लिए ही नहीं बल्कि सभी लोगों के लिए उपयोगी हैं। कार्यक्रम में संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र लोधी, डॉ. रविन्द्र कान्हेरे, श्री अशोक पांडे, श्री भालचंद रावले, श्री मोहनलाल गुप्ता, श्री निखिलेश माहेश्वरी आदि उपस्थित रहे।

"संस्कृति बोधमाला" की पुस्तकों का विमोचन

श्रीभूमि सरस्वती महाविद्यालय का उद्घाटन

करीमगंज। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र करीमगंज में 11 जुलाई को श्रीभूमि सरस्वती महाविद्यालय का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के महासचिव प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा और असम विश्वविद्यालय सिलचर के कुलपति प्रो. राजीव मोहन पंत और समाज के विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों सहित 800 से अधिक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

35वीं अखिल भारतीय जूडो एवं कुराश प्रतियोगिता

मथुरा। परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मन्दिर सीनियर सैकेण्डरी स्कूल गौशाला नगर, वृन्दावन में 20 सितम्बर 2024 को विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित 35वीं अखिल भारतीय जूडो एवं कुराश प्रतियोगिता बड़े ही उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि श्री तेजवीर सिंह, माननीय सांसद (राज्य सभा) एवम एवं डॉ. राजेन्द्र सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष, विद्या भारती खेल परिषद का उप प्रधानाचार्य श्री ओम प्रकाश शर्मा द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

वर्ष 2023 का संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (संगीत के क्षेत्र में) विद्या भारती के अखिल भारतीय संगीत प्रमुख डॉ. विनोद कुमार द्विवेदी को प्राप्त हुआ है।

स्टेट शिशु वाटिका आचार्यों, केरल का 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विद्या भारती दक्षिण केन्द्रीय क्षेत्र संगठन मंत्री श्री लिंगम सुधाकर रेड्डी, बेल्लमपल्ली (तेलंगाना) शिशु मंदिर परिसर, में महिला शक्ति जागरण बैठक में भाषण देते हुए।

जरूरतमंदों को छतरी का वितरण

राजस्थान | आदर्श विद्या मंदिर, चन्दलाई के पूर्व छात्र एवं पूर्व छात्र परिषद के अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा ने जरुरतमंद लगभग 80 लोगों को छतरी का वितरण किया। इससे पहले उन्होंने चाकसु संकुल के संस्कार केन्द्रों एवं चन्दलाई विद्या मन्दिर के भैया- बहिनों को बोतल वितरित की थीं।

विद्या भारती - उपलब्धियां

सान्या ने एशिया कप में ताइक्वांडो में स्वर्ण पदक जीता

दिल्ली। श्री सनातन धर्म सरस्वती बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, वेस्ट पंजाबी बाग की 12वीं की छात्रा सान्या ने प्रतिष्ठित "एशिया कप" में ताइक्वांडो में स्वर्ण पदक जीता।

अखंड प्रताप ने जेईई मेन्स में प्राप्त की 99.6 परसेंटाइल

कन्नौज। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज तिर्वा, कन्नौज के छात्र अखंड प्रताप ने जेईई मेन्स में परीक्षा में 99.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया 4,372 रैंक हासिल की।

चार पूर्व छात्रों का पीसीएस में चयन

पिथौरागढ़। विवेकानंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पिथौरागढ़ के चार पूर्व छात्रों का पीसीएस में चयन हुआ है। सुनील कार्की उप शिक्षा अधिकारी, धीरज कार्की जिला सूचना अधिकारी, रोहित दुबडिया जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं शैलेंद्र जोशी खंड विकास अधिकारी के पद पर चयनित हुए।

पूर्व छात्र निषाद कुमार को पेरिस पैरालंपिक में रजत पदक

खुर्द| सरस्वती विद्या मन्दिर कटौहड़ खुर्द के पूर्व छात्र निषाद कुमार ने पेरिस पैरालंपिक में पुरुषों की टी-47 हाईजम्प में रजत पदक जीता।

पूर्व छात्रा नेहा देवली को प्रतिष्ठित तीलू रौतेली पुरस्कार

बागेश्वर। विवेकानंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मंडलसेरा बागेश्वर की पुरातन छात्रा और अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता ताईक्वाण्डो खिलाड़ी नेहा देवली को प्रदेश के प्रतिष्ठित तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

लता कोरंगा और भूमिका टाकुली का अद्वितीय प्रदर्शन

विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में 2-4 अगस्त 2024 तक आयोजित राष्ट्रीय कैडेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप में विवेकानन्द विमिक मंडलसेरा बागेश्वर की दो होनहार छात्राओं लता कोरंगा और भूमिका टाकुली ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीतकर अद्वितीय प्रदर्शन किया।

सान्या ने एशिया कप में ताइक्वांडो में स्वर्ण पदक जीता

लखनऊ | सरस्वती विद्या मंदिर अलीगंज, लखनऊ की पूर्व छात्रा ऋषिका अवस्थी ने South Asian Under20 Athletic Championship में Triple Jump में 12.76m जम्प लगा कर नया कीर्तिमान बनाया और स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

पांच हजार सीड बॉल बनाकर पर्यावरण सहेजने की पहल

इटारसी | सरस्वती शिशु मंदिर इटारसी मध्य भारत की पर्यावरण मित्र शिक्षिका शिवकुमारी पटेल ने अब तक 2500 से अधिक सीड बॉल तैयार किए हैं।

विद्या भारती - उपलब्धियां

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा "मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार 2023"

कासगंज। भारतीय शिक्षा समिति ब्रज प्रदेश द्वारा संचालित श्री सूरज प्रसाद डागा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री भूपेंद्र कुमार सिंह को माध्यमिक शिक्षा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए "मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार 2023" से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें "शिक्षक दिवस" के अवसर पर गोरखपुर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदान किया गया।

पूर्व छात्र उपेंद्र द्विवेदी बने सेना प्रमुख

छत्तीसगढ़। सरस्वती शिशु मंदिर,अंबिकापुर,छत्तीसगढ़ के पूर्व छात्र श्री उपेन्द्र द्विवेदी सेना प्रमुख बन गए हैं। 1972 में श्री उपेंद्र द्विवेदी ने देवीगंज स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में नियमित छात्र के रूप में पढ़ाई की है। उन्होंने वर्ष 1972-73 में अंबिकापुर के सरस्वती शिशु मंदिर से पांचवी कक्षा उत्तीर्ण की और इसके बाद जुलाई 1973 में सैनिक स्कूल रीवा में प्रवेश लिया। इसके बाद उन्होंने वर्ष 1981 में एनडीए में प्रवेश लिया।

पूर्व छात्र श्री बंडी संजय कुमार जी बने केंद्रीय मंत्री

तेलंगाना | श्री बंडी संजय कुमार का जन्म 11 जुलाई 1971 को हुआ था। उन्होंने 1986 में करीमनगर (तेलंगाना) में श्री सरस्वती शिशु मंदिर उन्नत पाठशाला में अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। बाल्यकाल से ही संघ से जुड़कर देशभक्ति का पाठ सीखा। युवावस्था में वह राजनैतिक क्षेत्र में सक्रिय हुवे। अभी लोकसभा निर्वाचन के बाद 9 जून 2024 को गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री नियुक्त किया गया। श्री बंडी संजय कुमार को केंद्र सरकार में मंत्री बनने पर विद्या भारती परिवार ने हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

पूर्व शिक्षक मोहन चरण माझी बने ओडिशा के मुख्यमंत्री

ओडिशा | विद्या भारती के पूर्व शिक्षक श्री मोहन चरण माझी ओडिशा के मुख्यमंत्री बने हैं। वह क्योंझर विधानसभा सीट से चार बार विधायक निर्वाचित हुए हैं। श्री माझी सरस्वती शिशु मंदिर, झुमपुरा में आचार्य रहे हैं।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन

जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net www.vidyabharatisamvad.com

Email : vbabss@yahoo.com | vbsamvad@gmail.com

Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

सेवा में ,